दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप परमार (सेन)
(प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, सोमवार 16 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

शाह का पुणे दौरा, विलय की अटकलों के बीच

एनसीपी-शिवसेना नेताओं से मुलाकात पर नजर

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज से पुणे के दौरे पर रहेंगे। महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच उनके दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है। खासतौर पर एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शाह की वरिष्ठ नेताओं से होने वाली मुलाकातों पर राजनीतिक गलियारों की नजर है। राज्य में गठबंधन की राजनीति लगातार



नए समीकरणों का संकेत दे रही है। ऐसे में शाह का दौरा केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित रहेगा या इसके दौरान कोई महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश सामने आएगा, इस पर सबकी निगाहें हैं। एनसीपी और शिवसेना के विभिन्न नेताओं के साथ संभावित संवाद को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि विलय को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है।

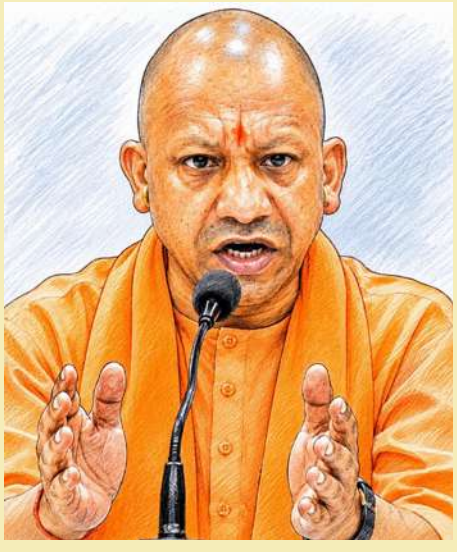
छठ के रंग में रंगीं CM रेखा गुप्ता,



छठ महापर्व के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता (Rekha Gupta) भक्ति के रंग में रंगी नजर आईं। उन्होंने दक्षिण दिल्ली के पंचशील एंक्लेव में आयोजित 'पवित्र खरना पूजा और प्रसाद सेवा' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना के साथ भजन-कीर्तन में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। उन्होंने नाक से मांग तक सिंदूर लगाया हुआ था और हाथों में मंजीरे लेकर भजन-कीर्तन में शामिल हुईं। उनकी इस धार्मिक भागीदारी की तस्वीरें और वीडियो भी चर्चा में रहे।

25 लाख युवाओं को मिलेंगे टैबलेट

योगी सरकार ने बढ़ाया योजना का दायरा, अब 85 लाख युवा होंगे लाभान्वित



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना' के तहत 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरित करने के अभियान की शुरुआत की।

सरकार के अनुसार, योजना के तहत अब तक करीब 60 लाख युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट दिए जा चुके हैं। नए चरण में 25 लाख और टैबलेट बांटे जाने के बाद लाभार्थियों की संख्या 85 लाख तक पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसाधनों की कमी किसी भी युवा की प्रतिभा के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार का लक्ष्य युवाओं को तकनीक से जोड़कर शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के अवसरों तक उनकी पहुंच बढ़ाना है। योजना के विस्तार को प्रदेश में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गौतमपुरा क्षेत्र को रेलवे की बड़ी सौगात

चंबल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और फुट ओवरब्रिज का भूमि पूजन



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा और सुरक्षित आवागमन; आधुनिक यात्री सुविधाओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

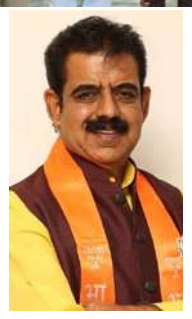


गौतमपुरा। क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित मांग आखिरकार पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ गई है। चंबल रेलवे स्टेशन (गौतमपुरा रोड) पर रविवार को रेलवे अधोसंरचना के विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमि पूजन संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत मौजूदा प्लेटफॉर्म का विस्तारीकरण, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण तथा फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का निर्माण किया जाएगा।

इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद स्टेशन की यात्री क्षमता, आवागमन व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। वर्षों से क्षेत्रवासी चंबल रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार की मांग उठा रहे थे। विशेष रूप से ट्रेनों में चढ़ने-उतरने के दौरान यात्रियों को होने वाली असुविधा, प्लेटफॉर्म की सीमित उपलब्धता और सुरक्षित आवागमन की जरूरत को देखते हुए अतिरिक्त रेलवे अधोसंरचना विकसित करने की मांग लगातार की जा रही थी। अब इन विकास कार्यों का भूमि पूजन होने से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है।

प्लेटफॉर्म विस्तार से बढ़ेगी यात्री सुविधा

स्टेशन पर मौजूदा प्लेटफॉर्म के विस्तारीकरण से यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने और उतरने के लिए अधिक स्थान उपलब्ध होगा। वहीं अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के निर्माण से स्टेशन की परिचालन क्षमता में वृद्धि और भविष्य में यात्री सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी। इससे ट्रेनों के ठहराव और यात्रियों के आवागमन को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिल सकती है।





फुट ओवरब्रिज से सुरक्षित होगा आवागमन

स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण इस परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बनने से यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए सुरक्षित मार्ग मिलेगा। विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। साथ ही रेलवे पटरियों को पार करने की जरूरत कम होगी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होगी।

सांसद और विधायक के प्रयासों से मिली सौगात

इस विकास कार्य के लिए क्षेत्रवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद शंकर लालवानी और विधायक मनोज पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से गौतमपुरा क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग को स्वीकृति और अब निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मिला है। रेलवे स्टेशन का विकास केवल यात्री सुविधाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों की रेल कनेक्टिविटी और विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता भारतसिंह आंजना, प्रमोद सक्सेना, राजू जाट, अशोक नागर, अब्बू भाटी, प्रभु गुर्जर, गगन बाहेती सहित अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

चंबल रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीनों विकास कार्य गौतमपुरा और आसपास के ग्रामीण अंचलों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माने जा रहे हैं। बेहतर प्लेटफॉर्म व्यवस्था, अतिरिक्त यात्री सुविधाएं और सुरक्षित फुट ओवरब्रिज से आने वाले समय में स्टेशन की उपयोगिता बढ़ेगी। लंबे समय से उठ रही मांग पर निर्माण कार्यों की शुरुआत को क्षेत्रवासियों ने विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, सोमवार 16 नवम्बर 2026



अभिनेत्री मोटवानी ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की भस्म आरती का लाभ लिया

उज्जैन। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी की प्रातः कालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिए।

महिलाओं के 'कुपोषित मन' और टूटते' शरीर की कहानी कहती पुस्तक का विमोचन

डॉ. मूले की पुस्तक में महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक चुनौतियों पर शोधपरक विमर्श

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

भोजपुर क्लब में जुटीं चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र की हस्तियां

भोपाल। महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और मानसिक-सामाजिक चुनौतियों को केंद्र में रखकर वरिष्ठ शिशु रोग एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. रत्ना मुले द्वारा लिखित पुस्तक 'Women - Malnourished Mind & Broken Bodies' का शनिवार को भोजपुर क्लब में विमोचन किया गया।

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन भारत के तत्वावधान में आयोजित समारोह में चिकित्सा, शिक्षा, समाजसेवा और मीडिया जगत की अनेक हस्तियों ने सहभागिता की। यह पुस्तक डॉ.



रत्ना मुले के पीएचडी शोध प्रबंध का निष्कर्ष है, जिसे उन्होंने प्रोफेसर आशा शुक्ला के निर्देशन में पूर्ण किया। पुस्तक में महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े उन पहलुओं को सामने लाने का प्रयास किया गया है, जिनका असर उनके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक एवं सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। फाउंडेशन के निदेशक एवं PSSCIVE, भोपाल के पूर्व प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आरके शुक्ला ने स्वागत वक्तव्य दिया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। लेखिका डॉ. रत्ना मुले ने पुस्तक के विषय, शोध की पृष्ठभूमि और लेखन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर संवाद

मुख्य अतिथि शासकीय टीआरएस कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रीवा के समाजशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. महेश शुक्ला ने पुस्तक को वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बताया।

अ.भा. पूर्व सैनिक सेवा परिषद का दीपावली मिलन समारोह नाहरगढ़ में भव्य रूप से संपन्न

500 से अधिक सैनिक, पूर्व सैनिक, मातृ शक्ति एवं परिवार हुए सम्मिलित

विश्वनाथ समाचार -तुलसीराम राठौर
www.vishwanathsamachar.com

नाहरगढ़-अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर का दीपावली मिलन समारोह नाहरगढ़ इकाई द्वारा नाहरगढ़ कचनारा बाबा रामदेव मंदिर परिसर में भव्य एवं ऐतिहासिक रूप में संपन्न हुआ। इस वर्ष के दीपावली मिलन समारोह की जिम्मेदारी नाहरगढ़ इकाई को दी गई थी। समारोह में करीब 500 से अधिक पूर्व सैनिक, सैनिक, मातृ शक्ति एवं वीर नारियां सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर की गई।

मुख्य अतिथि के रूप में 5 एनसीसी बटालियन के कर्नल सुनील चीकोड़े रहे। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल अतुल राजेश भेरूड़, संगठन मार्गदर्शक रतन सिंह शक्तावत, नाहरगढ़ इकाई मार्गदर्शक शंभू गिरी गोस्वामी, रिटायर्ड सूबेदार आर एस जांगिड़, कैप्टन सुरेश परमार, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, भगवत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। कर्नल सुनील चीकोड़े ने संगठन की सराहना करते हुए कहा कि मंदसौर का संगठन बहुत ही संगठित संगठन है। यह अनेक सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करता है। मंदसौर जिले के पूर्व सैनिक आज के युवाओं को अच्छा मार्गदर्शन दें एवं युवाओं को सोशल मीडिया से दूरी बनवाकर रखें। सेना में अधिकारी स्तर के प्रशिक्षण के लिए किसी को जानकारी चाहिए तो हमारे कार्यालय पधारें। संगठन अध्यक्ष मुकेश गुर्जर ने कहा कि ऐसे आयोजन से हमारा मकसद परिवार से परिवार को जोड़ना है। संगठन की एकता में ही अनेकता है। वर्ष 2020 में पूर्व सैनिकों का मिलन समारोह छोटे रूप में शुरू हुआ था, जो आज वृहद रूप लेते हुए नाहरगढ़ में 500 से अधिक पूर्व सैनिक, सैनिक, मातृ शक्तियों एवं वीर नारियों की उपस्थिति तक पहुंच गया है। संगठन इसी तरह दिन दुगनी, चार चौगुनी तरक्की करे।

कैप्टन सुरेश परमार ने संगठन को बधाई देते हुए कहा कि



नाहरगढ़ इकाई द्वारा बहुत ही शानदार कार्य किया गया। शंभू गिरी गोस्वामी ने कहा कि इस बार के आयोजन की जिम्मेदारी नाहरगढ़ इकाई को दी गई, जिसके लिए मैं नाहरगढ़ इकाई की ओर से आप सभी को धन्यवाद देता हूं। यह जिम्मेदारी इस इकाई के हर व्यक्ति ने जिम्मेदारी के साथ निभाई, इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। अतिथियों द्वारा संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का स्वागत किया गया। रूपचंद महावर द्वारा बच्चों एवं मातृ शक्तियों की खेल प्रतियोगिता करवाई गई एवं विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन नाहरगढ़ इकाई के पूर्व सैनिक धर्मेंद्र सोनी एवं शिक्षाविद देव कृष्ण वैष्णव ने किया। आभार इकाई प्रभारी राम प्रसाद गहलोद ने माना। इस अवसर पर कर्नल सुनील चीकोड़े, लेफ्टिनेंट कर्नल अतुल राजेश भेरूड़, संगठन मार्गदर्शक रतन सिंह शक्तावत, कैप्टन सुरेश परमार, रिटायर्ड सूबेदार आर एस जांगिड़, शंभू गिरी गोस्वामी, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी, भेरूलाल धनगर, दिनेश मेहता, कोमल प्रसाद माली, जमनालाल सोनी, गोविंद धाकड़ सहित करीब 500 से अधिक सैनिक, पूर्व सैनिक एवं मातृ शक्तियां उपस्थित रहीं।

विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय के प्रयासों से जावरा विधानसभा क्षेत्र के 30 स्कूलों को मिली 30 करोड़ 12 लाख रुपये की सौगात

स्कूलों के भवन निर्माण सहित अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला, बाउंड्रीवाल और फर्नीचर के लिए राशि स्वीकृत

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम। जावरा विधानसभा क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता में रखते हुए विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय निरंतर प्रयास कर रहे है। जिसमे सफलता भी मिलती जा रही है। विगत वर्षों से क्षेत्र में भवन विहीन स्कूलो के लिए बड़ी सौगात मिली है। विधानसभा क्षेत्र के 30 स्कूलों में भवन, कक्ष, फर्नीचर के लिए 30 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है।

उल्लेखनीय हैं कि

विधायक डॉ पांडेय विगत कई वर्षों से भवन विहीन स्कूलो के भवन निर्माण की स्वीकृति के लिए निरन्तर प्रयास कर रहे थे। विधानसभा सत्रों में इस मांग को उठाने के अलावा मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर क्षेत्र की शेक्षिक कठिनाई से अवगत कराया था। इन प्रयासों में सफलता मिल गई है।

क्षेत्र के 30 हाईस्कूल व हायरसेकंडरी स्कूलो में अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला, बाउंड्रीवाल, फर्नीचर, कम्प्यूटर पैनल सहित विभिन्न संसाधन के लिए 30 करोड़ 12 लाख की राशि स्वीकृत हुई है। जिसमें 13 हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल है। जिनमे हायर सेकेंडरी स्कूल ढोढर, पिपल्याजोधा, असावती, रिंगनोद, कमला नेहरू जावरा, बरखेड़ी, बालक कालूखेड़ा, सुखेड़ा, बडायला माताजी, कन्या पिपलौदा, रियावन, चिकलाना, हतनारा शामिल है, जबकि हाईस्कूल कांकरवा, मांडवी, बण्डवा, रोला, काटजू जावरा, रानीगांव, गोंदीधर्मसी, कन्या कालूखेड़ा, धामेडी, हसनपालिया, बिनोली, मामटखेड़ा, सेमलिया, नांदलेटा, बडायला चौरासी, उम्मेदपुरा व लाम्बाखोरा शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की अनदेखी

माचल में राष्ट्रीय राजमार्ग की गाइडलाइन को चुनौती देकर चल रही वाइन शॉप!

ग्रामीणों ने मां कालका लिकर गैलरी पर उठाए सवाल, जांच कर दुकान हटाने की मांग; उज्जैन के रसूखदार राजनीतिक संरक्षण की भी चर्चा

ग्रामीणों का आरोप

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की अनदेखी, आबकारी विभाग की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित; मोरम डालकर रास्ता बदलने की औपचारिकता, लेकिन आवाजाही की स्थिति जस की तस



जीवन डोडिया-9926084685
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



बेटमा। राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास शराब दुकानों के संचालन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश और आबकारी विभाग के नियम स्पष्ट हैं, लेकिन माचल में संचालित एक वाइन शॉप को लेकर इन नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से निर्धारित दूरी और दुकान तक पहुंच के नियमों को दरकिनार कर यहां खुलेआम शराब का कारोबार किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि लगातार शिकायतों और सवालों के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक ऐसी कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आई, जिससे ग्रामीणों को संतुष्टि मिल सके। माचल में मां कालका लिकर गैलरी के नाम से संचालित इस शराब दुकान को लेकर अब ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से आर-पार की कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि दुकान नियमों के अनुरूप संचालित हो रही है तो विभाग इसकी स्थिति स्पष्ट करे और यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो दुकान का संचालन तत्काल बंद कराया जाए। आखिर नियमों की निगरानी करने वाला विभाग इस मामले में चुप्पी क्यों साधे हुए है, यह अपने आप में बड़ा सवाल बन गया है।

500 मीटर की दूरी और पहुंच के नियमों पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट के 15 दिसंबर 2016 के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के किनारे शराब की दुकानों, बार और अन्य शराब बिक्री प्रतिष्ठानों को लेकर दूरी संबंधी प्रतिबंध निर्धारित किए गए थे। सामान्य रूप से नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत की निर्धारित सीमाओं से बाहर राजमार्ग के मध्य बिंदु से 500 मीटर की दूरी का प्रावधान लागू किया गया था। बाद में छोटे आबादी क्षेत्रों के लिए निर्धारित शर्तों के तहत दूरी संबंधी छूट का प्रावधान भी सामने आया। इसके अतिरिक्त दुकान राजमार्ग से सीधे दिखाई न दे और राजमार्ग से उसका सीधा प्रवेश या पहुंच मार्ग न हो, इस संबंध में भी दिशा-निर्देश हैं। ग्रामीणों का दावा है कि माचल की मां कालका लिकर गैलरी की वास्तविक स्थिति इन प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि मौके पर भौतिक निरीक्षण, राजमार्ग से वास्तविक दूरी का मापन और दुकान तक पहुंचने वाले रास्ते की जांच की जाए, ताकि स्पष्ट हो सके कि नियमों का पालन हो रहा है या उन्हें केवल कागजों में पूरा दिखाया जा रहा है।



मोरम डालकर रास्ता बदलने की औपचारिकता, आवाजाही पर सवाल



इस पूरे मामले में सबसे गंभीर आरोप दुकान तक पहुंचने वाले रास्ते को लेकर लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आबकारी विभाग की ओर से नियमों की औपचारिकता पूरी करने के उद्देश्य से मोरम डलवाकर दूसरे स्थान से रास्ता तैयार करवाया गया, लेकिन वास्तविक आवाजाही की व्यवस्था में कोई प्रभावी बदलाव नहीं हुआ। उनका कहना है कि रास्ते की स्थिति और दुकान तक पहुंचने का वास्तविक तरीका देखने पर पहले जैसी ही स्थिति दिखाई देती है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि वैकल्पिक रास्ता बनाया गया है तो क्या उसका इस्तेमाल वास्तव में हो रहा है? क्या राजमार्ग से दुकान तक सीधी पहुंच पूरी तरह समाप्त कर दी गई है? क्या विभाग ने केवल रास्ता बनवाने की औपचारिकता पूरी कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली है? इन सवालों का जवाब विभागीय जांच और मौके के निष्पक्ष निरीक्षण से ही सामने आ सकता है।

उज्जैन के रसूखदार राजनीतिक संरक्षण की चर्चा, कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

शराब दुकान को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक संरक्षण की चर्चाएं भी जोर पकड़ रही हैं। ग्रामीणों और स्थानीय सूत्रों के बीच चर्चा है कि इस कारोबार को उज्जैन के एक बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण प्राप्त है। यहां तक कि एक बड़े नेता के भतीजे का नाम भी चर्चाओं में लिया जा रहा है। हालांकि, इस कथित राजनीतिक संबंध और संरक्षण की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि दुकान के संचालन में सब कुछ नियमानुसार है तो विभाग खुलकर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता? वहीं, यदि शिकायतों में तथ्य हैं तो कार्रवाई करने में किसका दबाव आड़े आ रहा है? क्या स्थानीय स्तर पर अधिकारी किसी प्रभावशाली व्यक्ति के कारण कार्रवाई से बच रहे हैं या फिर विभागीय स्तर पर मामले को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है? इन चर्चाओं की निष्पक्ष जांच होना भी जरूरी है, ताकि किसी व्यक्ति या पद की प्रतिष्ठा को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की वास्तविकता सामने आ सके।

ठेकेदार और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की जानकारी भी आई सामने

प्राप्त जानकारी के अनुसार माचल में संचालित इस शराब ठेके का नाम मां कालका लिकर गैलरी है। उपलब्ध जानकारी में इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के रूप में शोभित यादव, पिता मूलचंद यादव का नाम दर्ज बताया गया है। उनका पता जी-2/34, शंकरबाग, मरीमाता चौराहा के पास, इंदौर बताया गया है। ऐसे में आबकारी विभाग को दुकान के लाइसेंस, स्वीकृत स्थल, अनुज्ञप्तिधारी की जानकारी, निर्धारित शर्तों और वास्तविक संचालन स्थल का मिलान भी करना चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि दुकान जिस स्थान पर संचालित है, क्या वही स्थान विभागीय रिकॉर्ड में स्वीकृत है?

गांव-गांव तक शराब पहुंचने का आरोप, सामाजिक व्यवस्था पर असर

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि दुकान से आसपास के गांवों तक शराब की आपूर्ति हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने, पारिवारिक विवाद, आपसी झगड़े और सड़क हादसों जैसी समस्याओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। उनका कहना है कि इसका सबसे अधिक



असर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का तर्क है कि शराब दुकान का संचालन केवल राजस्व से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इसके साथ ग्रामीणों की सुरक्षा, सामाजिक वातावरण और कानून व्यवस्था भी जुड़ी हुई है। इसलिए नियमों के उल्लंघन की शिकायत को सामान्य मामला मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

आबकारी कमिश्नर तक उठ रहे सवाल, मुख्यमंत्री की छवि से भी जुड़ा मामला

मामले को लेकर आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब स्थानीय स्तर पर शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा तो विभाग के उच्च अधिकारियों को स्वतः संज्ञान लेकर जांच करानी चाहिए। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना तक भी इस मामले को पहुंचाने और विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार में यदि नियमों का पालन कराने वाले विभाग ही शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे तो सरकार की सुशासन और कानून के समान अनुपालन की छवि प्रभावित होना स्वाभाविक है। ऐसे में सरकार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए।

अब देखना यह है कि जांच होती है या मामला फाइलों में ही दबा रहता है

माचल की इस शराब दुकान को लेकर उठ रहे सवालों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि जांच किसी स्थानीय औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में निष्पक्ष टीम मौके पर पहुंचे और अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब राजमार्ग से दूरी, दुकान की दृश्यता और पहुंच मार्ग जैसे बिंदुओं की जांच संभव है, तो विभाग अब तक स्पष्ट स्थिति सामने क्यों नहीं ला पाया? क्या मां कालका लिकर गैलरी नियमों के दायरे में है या फिर नियमों को दरकिनार कर कारोबार संचालित किया जा रहा है? इसका जवाब अब आबकारी विभाग और जिला प्रशासन को देना है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि उन्हें किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं है, उनकी मांग केवल इतनी है कि कानून सबके लिए समान हो और नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को संरक्षण न मिले।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

देश का नक्सलवाद के दंश से मुक्त होना, हमारी बड़ी उपलब्धि



जीवन डोडिया-9926084685
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

» » आज भारत अपने इतिहास, विरासत और जननायकों को स्वदेशी स्वाभिमान के साथ कर रहा है याद

» » भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर देशभर में 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का हुआ भूमि-पूजन और लोकार्पण

» » प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर देशभर में हुए कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

» » जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सरकार की विशेष प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

» » जनजातियों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में संचालित हो रहीं अनेक योजनाएं

» » राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले के डही में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में हुए शामिल

» » धार जिलेवासियों को दी 1570 करोड़ के 115 विकास कार्यों की बड़ी सौगात

» » डही माइक्रो सिंचाई उद्वहन परियोजना का किया लोकार्पण

» » 1353.18 करोड़ के इरीगेशन प्रोजेक्ट से 2 जिलों के 126 गांवों में 47 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में होगी सिंचाई, एक लाख किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

» » विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को दिये गए हितलाभ, प्रतिभाशाली लोगों का हुआ सम्मान

धार। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर देश में 15 नवम्बर 2021 से मनाया जा रहा राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस अब एक राष्ट्रीय उत्सव बन चुका है। विगत साल जनजातीय गौरव दिवस पर देश में 2 लाख से अधिक कार्यक्रम हुए। साल दर साल इस दिवस को भारी उमंग के साथ मनाने की ललक बढ़ती ही जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस साल भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती हम दोगुने उत्साह से मना रहे हैं, क्योंकि साल भर में देश को दो बड़ी उपलब्धियां मिली है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हर मामले में वंचितों को विशेष वरीयता देना हमारी प्राथमिकता रही है। इस प्रथमिकता का प्रतिफल भी अब सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट आई। जिसमें कहा गया है कि बीते 12 सालों में सरकार के समर्पित प्रयासों से देश के 50 करोड़ से अधिक लोग ग़रीबी से बाहर निकल चुके हैं। दूसरा इसी साल 31 मार्च 2026 तक पूरा देश नक्सलवाद के दंश (माओवादी गतिविधियों) से पूर्णतः मुक्त हो गया है। यह दोनों ही उपलब्धियां हमें देश और जनता के विकास एवं समग्र कल्याण के लिए प्राण-प्रण से काम करने की नई ऊर्जा, नई उमंग देती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी रविवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मनाये गये राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रमों





को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि इस साल राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर देश भर में करीब 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत के कई विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा और राष्ट्रीय अस्मिता के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देने वाले जनजातीय वीर नायकों को आज देश अपने स्वर्णिम इतिहास, अद्भुत विरासत और पूरी श्रद्धा और स्वदेशी स्वाभिमान के साथ गौरवपूर्वक याद कर रहा है। हमारी सरकार ने जनजातीय वीरों की स्मृति और उनके मान-सम्मान में कई बड़े कदम उठाये हैं। अब हम सब जनजातीय महानायकों के बलिदान से न केवल परिचित हो रहे हैं, वरन् उन्हें स्मरण भी कर रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना में आये एक बड़े परिवर्तन का आरंभ है।

धार जिले के डही में हुए राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिलेवासियों को 1570 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 115 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 1402 करोड़ रुपए के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 168.56 करोड़ रुपए के 107 कामों का भूमि-पूजन शामिल है। जनजातीय गौरव दिवस को और भी विशेष बनाते हुए राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डही माइक्रो सिंचाई उद्वहन परियोजनाS का लोकार्पण किया। कुल 1353.18 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस सिंचाई परियोजना से धार और आलीराजपुर जिले के 126 गांवों की 47 हजार हेक्टेयर भूमि में नर्मदा जल से सिंचाई उपलब्ध होगी। इस परियोजना से करीब एक लाख किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा का लाभ मिलेगा। समारोह में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित कर क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित भी किया गया। इससे पहले अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि देश में जनजातीय नायकों की समृद्ध विरासत रही है। राधोजी भांगरे, भागोजी नाइक और वीर बाबूराव सेडमा जैसे वीरों की वीरगाथाएं हमारी धरती से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सभी जनजातीय नायकों को नमन करते हुए कहा कि एक समय भारत में कार्यक्रम और उत्सव विदेशी दृष्टिकोण से शुरू होते थे, लेकिन आज हम अपने राष्ट्रीय गौरव और विरासत को केंद्र में रखकर कार्य कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में छोटा नागपुर का कोल आंदोलन, संथाल क्रांति के माध्यम से जनजातीय समुदाय ने अपनी सशक्त एवं प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। क्रांतिसूर्य टंट्या भील, रानी गाइदेलियो जैसे अनेक वीर-वीरांगनाओं ने अपने बलिदान से राष्ट्र को प्रेरणा दी। अल्लूरी सीताराम राजू और रानी दुर्गावती जैसे महान व्यक्तित्वों ने जनजातीय आंदोलन को ऊर्जा दी। इन सबके बीच भगवान बिरसा मुंडा का युवा अवस्था में आंदोलन करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा है। देश के अलग-अलग राज्यों में आज जनजातीय क्षेत्रों जुड़ी 170 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण और 70 से अधिक का भूमि-पूजन किया गया है। इनमें जनजातीय संग्रहालय, शिक्षा और बुनियादी सेवा-सुविधाओं से जुड़े कई विकास कार्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नक्सलवाद से मुक्ति भी बड़ी सफलता है। इन उपलब्धियों के लिए समाज के सामूहिक प्रयास सबसे अहम हैं। पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने जनजातीय कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं बनाईं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का गरीबी से बाहर निकलना, हमारे संकल्प से सिद्धि का प्रतीक है। आज देश में निरंतर बदलाव आ रहे है। देश के अति पिछड़े इलाकों के विकास के लिए हमारी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। पीएम जन-मन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा है। देश के गरीब परिवारों के लिए 4 करोड़ से अधिक आवास बनाये। देश के 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई, जहां आजादी के बाद भी बिजली नहीं पहुंची थी। आयुष्मान भारत योजना के जरिए 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी। देशभर में 1 लाख 75 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए। इनसे जनजातीय परिवारों को बेहतर इलाज मिल रहा है। स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान आरोग्य (स्वास्थ्य) केंद्रों की संख्या लगातार बढ़ाई, इससे कई बीमारियां खत्म हुईं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना के अंतर्गत बिना गारंटी के लोन दिया गया। गरीब, जनजातीय समाज के भाई-बहनों को भी ऐसी अनेक योजनाओं का लाभ मिला। इससे जनजातीय वर्ग में आत्मविश्वास पैदा हुआ। विकास की यात्रा में पिछड़े बड़े वर्ग को हमारी सरकार ने मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया। देश के 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से अधिक आकांक्षी विकासखंडों में विकास, सेवाएं, सुविधाएं, नागरिक अधिकारों की रक्षा का विशेष अभियान संचालित किया। अब पीएम कृषि धनधान्य योजना के अंतर्गत खेती में पिछड़े 100 जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे गरीब परिवारों और जनजातीय समाज को आगे बढ़ाने के नए अवसर मिले हैं। सबका साथ और सबका विकास के मंत्र ने देश के गरीबों को नया विश्वास दिया और करोड़ों गरीबों ने गरीबी के कुचक्र को परास्त कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नक्सलवाद का खात्मा देशवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। नक्सली हिंसा ने सबसे अधिक नुकसान हमारे जनजातीय समुदाय का ही किया। वर्ष 2014 में देश के करीब 125 जिले नक्सलवाद और माओवाद से पीड़ित थे। हर साल हिंसक घटनाएं होती थीं, जिनमें हजारों निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी, इनमें बड़ी संख्या में जनजातीय भाई-बहन शामिल थे। पहले की सरकारों ने जनजातीय भाई-बहनों को उनके नसीब पर छोड़ दिया था, उनके अधिकार छीन लिए गए थे और सभी जिम्मेदार मुंह फेर कर बैठ गए थे। जनजातीय भाई-बहनों को मतदान तक नहीं करने दिया जाता था। तब की सरकारें मूकदर्शक बन गई थीं। नक्सलवादी छोटे-छोटे बच्चों को छीनकर ले जाते थे। बेटियों को उठा ले जाते थे और कोई कुछ नहीं कर पाता था। नक्सलावाद का खात्मा हुआ है, तो हमें माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है। जनजातीय युवाओं को पढ़ाई और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में लोग जाने से डरते थे। हमने वहां जाकर जवानों के साथ दीपावली मनाई। इस बार दीपावली पर दीयों के साथ-साथ उम्मीद की रौशनी भी जनजातीय भाई-बहनों के घरों तक पहुंची है। हमारा जनजातीय समाज देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। आज राष्ट्र की कमान भी जनजातीय समाज की बेटी के हाथों में है। हम सभी देशवासियों को राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के नेतृत्व पर गर्व है। हम भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के लिए अपनी ऊर्जा लगाएं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हम सब भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर नए संकल्प लें। यह दिवस प्रत्येक देशवासी के लिए अपने महानायकों पर गौरव करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि जन नायक बिरसा मुंडा ने उलगुलान (महाविद्रोह) अभियान चलाकर जन, जल जंगल, ज़मीन और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र सरकार की ओर से भगवान बिरसा मुंडा के राष्ट्र के लिए बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन हमें अपने राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर देने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनमन अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में 2671 छात्रावासों के माध्यम से प्रतिवर्ष करीब 1.40 लाख विद्यार्थियों को आवासीय शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा, विदेश अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर दिए जा रहे हैं। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार से जोड़ने और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं, कला और गौरवशाली विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश के किसानों को बड़ी सौगातें मिल रही हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ा है। माईक्रो डही सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना के लोकार्पण से मालवांचल के धार और आलीराजपुर को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में लगभग 1350 करोड़ रुपए लागत की डही सिंचाई परियोजना प्रारंभ हुई है। इससे 15 दिन पहले ही सरदारपुर में 2500 करोड़ से अधिक लागत की पाइप लाइन का लोकार्पण भी किया गया है।

शेष पृष्ठ क्रमांक 5 पर पढ़े

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कवि रहीम के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा कि जल ही जीवन हैं, जल के बिना जीना संभव नहीं है।

नई सिंचाई परियोजना के माध्यम से अंचल के सभी लोगों को मां नर्मदा का जल उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर धार जिले को पीएम मित्र पार्क की सौगात दी। इससे क्षेत्र के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर युवाओं को 3 लाख से अधिक रोजगार उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि डही माइक्रो सिंचाई उद्वहन परियोजना से एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना से धार जिले के 84 एवं आलीराजपुर जिले के 42 गांवों को सिंचाई के लिए नर्मदा जल उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व मे हमारी सरकार भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनजातीय अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जनजातीय समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना ही सरकार का प्रमुख ध्येय है।

केन्द्रीय द्वीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। जनजातीय परिवारों के उत्थान और महिलाओं के सम्मान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इन योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतार रही है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भी जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति जागरूकता और रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा धार जिले के प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना धार एवं आलीराजपुर जिले के लिए जीवनरेखा सिद्ध होगी। इससे जनजातीय अंचल के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र का विस्तार कर अधिकाधिक भूमि को सिंचित बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। सिंचाई सुविधा मिलने से किसानों को एक से अधिक फसल लेने का अवसर मिलेगा और उन्हें आजीविका के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर डही क्षेत्र को मिली सिंचाई परियोजना की सौगात को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और समाज सेवा की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलते हुए जनजातीय समाज के विकास और कल्याण के लिए सामिक प्रयास करना हमारा दायित्व है।

मंच से विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों का सम्मान एवं लाभ वितरण- समारोह में बाग प्रिंट उत्पादन एवं BRICS सम्मेलन में सहभागिता करने वाली श्रीमती श्यामि बाई डोडवे को शॉल और

पृष्ठ क्रमांक 4 की शेष खबर





श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। म.प्र. राज्य आजीविका मिशन के जय गुरुदेव स्वयं सहायता समूह की श्रीमती वंदना अलावा और श्रीमती मीरा डावर सहित 91 समूहों के लिए कुल 5.30 करोड़ रुपये की राशि का स्व-सहायता समूह ऋण वितरित किया गया। राजस्व विभाग की स्वामित्व योजना के तहत ग्राम उम्मेदपुरा निवासी कैलाश पिता सिकदारसिंह को रजिस्ट्री की गई। ग्राम देवदा के श्री भेरूसिंग दयाला को चना बीज मिनी किट वितरित किया गया। अरोसी पिता राहुल मण्डलोई को बाल हृदय उपचार योजनांतर्गत 90 हजार रुपये की राशि दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत श्रीमती कुसुम पति राजू को लाभान्वित किया गया है। गोपाल कृष्ण ग्राम प्रतियोगिता वृंदावन ग्राम अंतर्गत घोषित परिणामों में श्री महेश बद्रीलाल पाटीदार, श्री अनिल सत्यनारायण पाटीदार एवं श्री जयेश देवेंद्र धनगर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को जनजातीय कार्य, लोक सम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मीना वर्मा, श्री कालूसिंह ठाकुर, श्री जयदीप पटेल, श्रीमती रंजना बघेल, श्री सरदार मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभाग एवं जिले के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डही में किया भव्य रोड शो- मुख्यमंत्री डॉ. यादव जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस एवं डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री के आगमन पर स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं जनजातीय समाज के लोगों ने उनका आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डही बस स्टैंड से पुलिस ग्राउंड स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल तक रोड शो कर जनता का अभिवादन जनता का अभिवादन किया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। रोड शो में जनजातीय संस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिली। पारम्परिक वेशभूषा में सजे जनजातीय कलाकारों ने लोकनृत्य की प्रस्तुतियां दीं। ढोल-मांदल की गूंज और उत्साहपूर्ण जनभागीदारी से पूरा वातावरण जनजातीय गौरव एवं उत्सव के रंग में रंग गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथ हिलाकर जनसमुदाय का अभिवादन स्वीकार किया तथा सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजातीय गौरव दिवस पर जनजातीय परिवार के साथ किया पारंपरिक भोजन

धार 15 नवंबर 2026। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजातीय गौरव दिवस के विशेष अवसर पर जनजातीय कृषक के घर पर परिजनों के साथ सहभोज किया। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रविवार को कृषक श्री भूपेंद्र आलावा के विकासखंड डही के ग्राम टिमरिया (स्कूलपुरा) स्थित निवास पर पहुंचे। उनके परिवार के साथ आत्मीय संवाद किया। राज्यपाल श्री पटेल और केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर ने परिवार के सदस्यों के साथ सादगीपूर्ण माहौल में बड़े चाव से पारंपरिक जनजातीय व्यंजनों का स्वाद लिया।

राज्यपाल की थाली में परोसे गये पारंपरिक व्यंजन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को जनजातीय संस्कृति और परंपरा के अनुरूप परोसे गए देसी भोजन में बाजरे और ज्वार की रोटी, मेथी की भाजी (साग), उड़द की दाल और लहसुन-धनिया की पारंपरिक चटनी (ठेचा) शामिल थी।

राज्यपाल ने बच्चों से की आत्मीय मुलाकात

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोजन के पश्चात कृषक श्री भूपेंद्र आलावा के परिवारजनों और बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों को स्नेह दिया और परिवार के सदस्यों के साथ घर के आंगन में यादगार तस्वीरें भी खिंचवाईं। राज्यपाल की इस सादगी और सहज व्यवहार से परिवार सहित ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने इस आत्मीय मुलाकात के अवसर पर कहा कि जनजातीय समाज की सादगी, अपनापन और समृद्ध खान-पान की परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा है। हमारी संस्कृति, हमारी विरासत — यही हमारी पहचान, यही हमारा गौरव !

मालगंज सब्जी मंडी में गंदगी देख आयुक्त सख्त, वार्ड दरोगा का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश

इंदौर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार सुबह विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जोन क्रमांक 2 के वार्ड क्रमांक 69 अंतर्गत जवाहर मार्ग, राजमोहल्ला और मालगंज सब्जी मंडी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। मालगंज सब्जी मंडी में सफाई व्यवस्था में लापरवाही और दुकानों पर डस्टबिन नहीं मिलने पर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित वार्ड दरोगा आशीष ऊटवाल का सात दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। इसके अलावा सब्जी दुकानों पर कचरा संग्रहण के लिए डस्टबिन की व्यवस्था भी नहीं थी। इस पर आयुक्त ने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। आयुक्त ने मंडी क्षेत्र की सभी दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखवाने और दुकानदारों को कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कचरे का नियमित एवं व्यवस्थित संग्रहण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंडी जैसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिन के साथ-साथ रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था भी प्रभावी ढंग से संचालित की जाए।

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्यन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित

पोर्टल https://mpom.mp.gov.in पर करें ऑनलाइन आवेदन

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से 'विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना 2026-27' के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के अंतर्गत चयनित मेधावी विद्यार्थियों को शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर, शोध उपाधि तथा पोस्ट-पीएचडी (Post Ph.D.) पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के आधिकारिक पोर्टल mpom.mp.gov.in पर जाकर अपना प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन करने के बाद ऑनलाइन आवेदन लॉक कर सकते हैं। प्रोफाइल पंजीयन के लिए समग्र आईडी के साथ डिजिटल जाति, आय और मूल निवासी प्रमाण पत्र का लिंक होना आवश्यक है। ऑनलाइन फॉर्म लॉक करने के 15 दिनों के भीतर आवेदन का प्रिंटआउट और सभी स्वप्रमाणित दस्तावेजों (जैसे अंकसूची, ऑफर लेटर, QS रैंकिंग प्रमाण) की प्रतियां आयुक्त कार्यालय, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण (विंध्याचल भवन, द्वितीय तल, 'क'/'ख' विंग, भोपाल - 462004) में डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से जमा करना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया और हेल्पलाइन सुविधा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पूरे वर्ष चालू रहेगी। प्रत्येक 1 माह की अवधि के विभिन्न चरणों में प्राप्त आवेदनों को एकत्र कर मेरिट के आधार पर चयन प्रक्रिया और साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। आवेदन या तकनीकी दस्तावेजों से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए अभ्यर्थी विभागीय हेल्पलाइन नंबर 0755-2553329, 0755-2675521 पर संपर्क कर सकते हैं या nodalofficerobc@mp.gov.in पर ईमेल भेज सकते हैं।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

चोरल डेम पर किसानों की महापंचायत

30 सूखे तालाबों को नर्मदा जल से भरने सहित 10 मांगों पर प्रस्ताव पारित

सात दिन का अल्टीमेटम देकर विजेन्द्र सिंह चौहान ने दिया बड़े जनआंदोलन का संकेत, 52 गांवों की नल-जल योजना और 37 गांवों की नहर को लेकर भी उठाई आवाज; डेम पर सांकेतिक धरना दिया

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

महू। कम बारिश के चलते खेती और पेयजल संकट की आहट के बीच रविवार को महू विधानसभा के सबसे बड़े तालाब चोरल डेम पर किसानों की महापंचायत हुई। कांग्रेस नेता विजेन्द्र सिंह चौहान के आह्वान पर आयोजित पंचायत में विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के किसान प्रतिनिधियों ने पहुंचकर अपने गांवों की समस्याएं रखीं। किसानों ने क्षेत्र के सभी 30 सूखे तालाबों को नर्मदा जल से भरने, चोरल डेम की नहर 45 दिन तक खोलने, बिजली बिल और कृषि ऋण माफ करने सहित कई मांगों पर प्रस्ताव पारित किए। महापंचायत के दौरान चौहान ने चोरल डेम पर सांकेतिक धरना भी दिया और शासन-प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर बड़े जनआंदोलन की चेतावनी दी। महापंचायत की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाकर की गई। इसके बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और टंट्या मामा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद गांव-गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं रखीं और चर्चा के बाद विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए।



30 तालाबों में नर्मदा जल और 45 दिन नहर चलाने की मांग

किसानों ने महू विधानसभा क्षेत्र के सभी 30 सूखे तालाबों को नर्मदा जल से भरने की मांग की। इनमें चोरल डेम, पांचीपाला, यशवंतनगर, खेड़ीसीहोद और जामली सहित अन्य तालाब शामिल हैं। किसानों का कहना था कि तालाबों में पानी पहुंचने से आसपास के गांवों में पेयजल और सिंचाई की समस्या कम हो सकती है। इसके साथ ही चोरल डेम से निकलने वाली प्रमुख नहर को 45 दिनों तक खोलने का प्रस्ताव पारित किया गया, ताकि रबी फसल के लिए किसानों को समय पर पानी मिल सके।





52 गांवों की नल-जल योजना पर उठे सवाल

महापंचायत में चोरल डेम से जुड़ी 52 गांवों की नल-जल परियोजना की स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठे। किसानों ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने और करीब एक दशक बीतने के बाद भी ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। बड़ी जाम के किसान गोपाल गुर्जर ने बताया कि उनके गांव और समीपस्थ घोड़ाखुर्द में योजना बनने के बाद से आज तक नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई है। शेरपुर के किसान कृष्णा पूनिया ने कहा कि कम बारिश के कारण क्षेत्र के तालाबों में पानी जमा नहीं हुआ है। लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है और आने वाली गर्मी में संकट और बढ़ सकता है। कव्वाली के सरपंच प्रकाश चौधरी ने पांचीपाला और यशवंतनगर तालाबों का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि इन दोनों तालाबों को भर दिया जाए तो करीब 10 किलोमीटर के दायरे में पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

कर्ज माफी, मुआवजे और खाद वितरण के प्रस्ताव भी पारित

जल संकट के साथ खेती से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर भी किसानों ने प्रस्ताव रखे। इनमें सभी प्रकार के कृषि बिजली बिल माफ करने, नियमित विद्युत आपूर्ति और खाद वितरण व्यवस्था सुधारने की मांग शामिल रही। रबी फसल के रकबे के अनुसार नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने, किसान क्रेडिट कार्ड और सहकारी समितियों के ऋण माफ करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। रेल और सड़क परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को वर्तमान गाइडलाइन से चार गुना मुआवजा देने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई।

सात दिन में कार्रवाई नहीं तो बड़ा आंदोलन

महापंचायत में किसानों ने शासन-प्रशासन को सात दिन का समय देते हुए स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो किसान महापंचायत के बैनर तले कांग्रेस और क्षेत्र के किसान मिलकर बड़ा जनआंदोलन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष महू विकासखंड में करीब 13 इंच बारिश ही दर्ज हुई है। कम बारिश के कारण जलाशयों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाया है, जिसका असर खेती और ग्रामीण पेयजल व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है।

ये रहे मौजूद

महापंचायत में विजेन्द्र सिंह चौहान, प्रदेश कांग्रेस सचिव पुनित शर्मा, डॉ. अजय धनावत, शेखर मालवीय, मनमोहन गुणावत, देवेन्द्र अग्रवाल, बैकुंठ पटेल, लोकेश ठाकुर, संतोष बुंदेड, रमेश गौरा, नारायण पटेल, रामप्रसाद बारूद, कृष्णा पूनिया, पवन मुकाती, नरसिंह, पूनम पटेल, परवीन पाटिल, अभिषेक यादव, राहुल कुशवाह, अंतर यादव, विक्रम सिसोदिया, मनीष वर्मा, विष्णु हारोड़, रामनिवास मीणा, महेन्द्र बाबा सहित बड़ी संख्या में किसान प्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोमवार शाम से जेल चौराहा से कालभैरव मंदिर मार्ग रहेगा बंद

गढ़कालिका मंदिर और मोजमखेड़ी मार्ग से पहुंच सकेंगे श्रद्धालु

कलेक्टर ने श्री काल भैरव मंदिर में दर्शन, पार्किंग, पेयजल और निर्गम व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत श्री कालभैरव मंदिर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन, बेहतर आवागमन, पार्किंग, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। रविवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने श्री कालभैरव मंदिर पहुंचकर मंदिर परिसर एवं आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नई व्यवस्था के तहत सोमवार शाम से जेल चौराहा से श्री कालभैरव मंदिर तक पहुंच मार्ग बंद रहेगा। श्रद्धालु गढ़कालिका मंदिर और मोजमखेड़ी की ओर से कालभैरव मंदिर पहुंच सकेंगे। कलेक्टर



श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं के दर्शन मार्ग पर लगे बैरिकेड्स के बीच मैट बिछाने तथा धूप से बचाव के लिए नेट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के आंतरिक एवं बाहरी परिसर में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए पर्याप्त एवं स्पष्ट साइनेज लगाने को कहा। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मंदिर क्षेत्र में निर्माण एवं विकास कार्य प्रारंभ होने के कारण श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा। ऐसे में मार्ग परिवर्तन की जानकारी साइनेज पर स्पष्ट एवं प्रमुखता से प्रदर्शित की जाए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और वे आसानी से निर्धारित दर्शन मार्ग तक पहुंच सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था के लिए बनाए गए जिग-जैग मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मंदिर परिसर में निर्माणाधीन निर्गम मार्ग का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को नई निर्गम व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित तरीके से मंदिर परिसर से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर क्षेत्र में निर्माण एवं विकास कार्यों के दौरान श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निर्माण कार्यों के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रतिदिन करीब दो लाख श्रद्धालु पहुंच रहे उज्जैन- कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ-2028 महापर्व को लेकर उज्जैन के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में उज्जैन में प्रतिदिन करीब दो लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। श्री महाकालेश्वर के दर्शन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री कालभैरव मंदिर भी पहुंचते हैं। मंदिर क्षेत्र में विकास कार्य प्रस्तावित है और इनका कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंदिर परिसर एवं आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया है। भैरवगढ़ क्षेत्र में भी विकास कार्य प्रारंभ हो गए है। विकास कार्यों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्गमन की व्यवस्था रैम्प के माध्यम से की जाएगी, जिससे दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को सुगम एवं व्यवस्थित निकासी मिल सके। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक, उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी, तहसीलदार सुश्री शेफाली जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे।

संजय जलाशय, काकड़पुरा और बगदून तालाब पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब,

कॉलोनियों में भी बनाए गए कृत्रिम कुंड; 200 पुलिस जवानों ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

छठमय हुई औद्योगिक नगरी पीथमपुर, 5 हजार महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर रविवार शाम छठ महापर्व की आस्था और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। पारंपरिक गीत 'हो म्हारी छठी मैया...' की गूंज और सूर्य उपासना के बीच शहर के प्रमुख जलाशयों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए करीब पांच हजार व्रती महिलाओं ने अपने परिवारों के साथ विभिन्न पूजा स्थलों पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। संजय जलाशय, काकड़पुरा तालाब और बगदून तालाब पर श्रद्धा का विशेष नजारा देखने को मिला। वहीं, शहर की विभिन्न कॉलोनियों में भी कृत्रिम कुंड बनाकर छठ पूजा की गई। घाटों पर पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं व्रती महिलाओं ने बांस के सूप और दउरा में नारियल, केला, गन्ना, मौसमी फल, ठेकुआ सहित पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव की आराधना की। सूर्यास्त के समय जल में खड़े होकर महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। छठी मैया के पारंपरिक लोकगीतों और पूजा के मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

तीन प्रमुख जलाशयों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

छठ पूजा को लेकर रविवार शाम सूर्यास्त से पहले ही शहर के प्रमुख जलाशयों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। संजय जलाशय, काकड़पुरा तालाब और बगदून तालाब पर विशेष रूप से पूजा की तैयारियां की गई थीं। जैसे-जैसे सूर्यास्त का समय नजदीक आया, घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। व्रती महिलाओं ने निर्धारित परंपराओं के अनुसार जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के सदस्य भी पूजा में शामिल हुए और



छठी मैया से सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

कॉलोनियों में भी बनाए गए कृत्रिम कुंड

छठ महापर्व की रौनक प्रमुख जलाशयों तक ही सीमित नहीं रही। धन्नड़, जयनगर, छत्रछाया और विश्वास नगर सहित शहर की विभिन्न कॉलोनियों में भी श्रद्धालुओं ने कृत्रिम कुंड तैयार किए। इनमें पानी की व्यवस्था कर व्रती महिलाओं ने अपने घरों के आसपास ही पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा की और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इससे दूरस्थ जलाशयों तक नहीं पहुंच पाने वाले परिवारों को भी पर्व की परंपराओं का निर्वहन करने की सुविधा मिली।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया व्यवस्थाओं का जायजा

छठ महापर्व के आयोजन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सेवंती सुरेश पटेल भी घाटों पर पहुंचे। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर आयोजन की गतिविधियों को देखा। इस दौरान हेमंत पटेल, अशोक पटेल, जीवन रघुवंशी और कमल पटेल सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

200 पुलिस जवान तैनात, ड्रोन से की गई निगरानी

हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। सीएसपी कमल सिंह चौहान और थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के नेतृत्व में करीब 200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। प्रमुख जलाशयों, घाटों और आसपास के मार्गों पर पुलिस बल लगातार निगरानी करता रहा। सीएसपी कमल सिंह चौहान ने बताया कि पूरे आयोजन के दौरान ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की गई। हुड़दंग करने वालों और शांति व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी गई, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना कर सकें।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ होगा महापर्व का समापन

छठ महापर्व का अंतिम और महत्वपूर्ण अनुष्ठान सोमवार सुबह संपन्न होगा। रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं पूरी रात निर्जला व्रत और साधना जारी रखेंगी। सोमवार तड़के श्रद्धालु एक बार फिर जलाशयों और कृत्रिम कुंडों पर पहुंचेंगे। यहां उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा और व्रती महिलाएं पारण कर व्रत खोलेंगी। लगभग 36 घंटे की कठिन निर्जला साधना के बाद यह धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होगा

आस्था के साथ संस्कृति और सामाजिक एकजुटता की दिखी झलक

उद्योगों और कारखानों के लिए पहचान रखने वाली पीथमपुर नगरी में छठ महापर्व ने सांस्कृतिक एकता और परंपराओं के प्रति अटूट जुड़ाव की अनूठी तस्वीर पेश की। रोजगार के सिलसिले में पूर्वांचल से आकर बसे परिवारों ने अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी श्रद्धा के साथ जीवंत रखा। प्रमुख जलाशयों से लेकर कॉलोनियों के कृत्रिम कुंडों तक एक साथ हुई पूजा ने यह संदेश दिया कि अपनी मिट्टी और संस्कृति से जुड़ाव भौगोलिक दूरियों का मोहताज नहीं होता। हजारों महिलाओं द्वारा एक साथ सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने का दृश्य पीथमपुर की सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक आस्था का यादगार उदाहरण बन गया।

फोटो कैप्शन:

पीथमपुर के संजय जलाशय सहित विभिन्न तालाबों पर रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करतीं व्रती महिलाएं। घाटों पर छठ पूजा के दौरान उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब।

हनुमान नाका-हरिफाटक व नीलगंगा-हरिफाटक मार्ग चौड़ीकरण 31 दिसंबर तक पूरा करें-संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्त ने निर्माण एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने और सहायक यंत्री को निलंबित करने के निर्देश दिए

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 को लेकर उज्जैन में श्रद्धालुओं और स्थानीय रहवासियों की सुविधा के लिए विकास एवं निर्माण कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा की नियमित समीक्षा की जा रही है।

रविवार को संभागायुक्त-सह-सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से कराए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण



और नवीन मार्ग निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी उपस्थित रहे। संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम द्वारा कराए जा रहे हनुमान नाका से हरिफाटक तथा नीलगंगा से हरिफाटक मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति के साथ ही मौके पर उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। निर्माण कार्य की धीमी गति पर संभागायुक्त श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी ब्राइट इंफ्रा को ब्लैक लिस्ट करने तथा कार्यस्थल के सहायक यंत्री श्री जीपी डेहरिया को निलंबित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण का कार्य निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार अतिरिक्त संसाधन और पर्याप्त संख्या में श्रमिक लगाकर 31 दिसंबर तक हर हाल में पूरा किया जाए और मार्ग पर आवागमन प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नही होना चाहिए। 31 दिसंबर की डेडलाइन के बाद एक दिन भी कार्य आगे बढ़ा तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मार्ग चौड़ीकरण कार्य में बाधक संरचनाओं को तत्काल हटाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इसके बाद संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से निर्माणाधीन खाक चौक-वीर सावरकर चौराहा से गढ़कालिका मंदिर, पीर मत्स्येंद्रनाथ समाधि स्थल होते हुए भर्तृहरि गुफा चौराहा तक नवीन मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों को बताया गया कि खाक चौक से भर्तृहरि गुफा तक कुल 2100 मीटर लंबा और 7 मीटर चौड़ा मार्ग बनाया जा रहा है।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

मंत्री तुलसी सिलावट की उपस्थिति में हुआ आयोजन, पारंपरिक वेशभूषा में निकली सांस्कृतिक रैली, छात्र-छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़े के अंतर्गत धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन प्रशासकीय संकुल सभागृह के कक्ष क्रमांक 210 में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह से पहले जनजातीय वर्ग के छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक रैली निकाली। लोकधुनों पर नृत्य करते हुए छात्र-छात्राओं के दल विभिन्न मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। अतिथियों के स्वागत के दौरान मंत्री तुलसी सिलावट ने परंपरागत वेशभूषा में शामिल छात्र-छात्राओं से स्वागत करवाकर जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सम्मान दिया।





कार्यक्रम में सहायक आयुक्त नीरज पाराशर ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र, संघर्ष और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जनजातीय समाज के विभिन्न क्रांतिकारियों के योगदान की जानकारी देते हुए भगवान बिरसा मुंडा की संघर्ष यात्रा से अवगत कराया। मुख्य अतिथि मंत्री तुलसी सिलावट ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने जनजातीय नायकों के योगदान और भगवान बिरसा मुंडा द्वारा समाज सुधार के क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को समाज और जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प भी दिलाया।

समारोह में छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पारंपरिक लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम सहित प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम में मंत्री तुलसी सिलावट, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, सहायक आयुक्त नीरज पाराशर, जनजातीय प्रकोष्ठ संयोजक रूप सिंह नागर, परियोजना अधिकारी प्रमोद काशीकर, क्षेत्र संयोजक स्मिता भावसार, राजेश सोनी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, छात्रावास अधीक्षक, अधीक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश सोनी ने किया तथा आभार क्षेत्र संयोजक स्मिता भावसार ने माना।

अहमदाबाद-मधुबनी के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, रतलाम, नागदा और उज्जैन सहित कई स्टेशनों पर ठहराव

17 नवंबर से होगा संचालन, शीतकालीन त्योहारों पर यात्रियों को मिलेगी राहत; दोनों दिशाओं में चलेगी ट्रेन

इंदौर। शीतकालीन त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और आवागमन की मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद और मधुबनी के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन रतलाम मंडल से होकर गुजरेगी। इससे दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन और सीहोर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09433 अहमदाबाद-मधुबनी स्पेशल 17 नवंबर 2026, मंगलवार को सुबह 10:10 बजे अहमदाबाद से रवाना होगी। ट्रेन दोपहर 1:42 बजे दाहोद, 3:03 बजे रतलाम, 3:45 बजे नागदा, शाम 5:05 बजे उज्जैन और रात 7:10 बजे सीहोर पहुंचेगी। निर्धारित ठहरावों के बाद यह ट्रेन गुरुवार को रात 1 बजे मधुबनी पहुंचेगी।

इसी प्रकार, वापसी में ट्रेन संख्या 09434 मधुबनी-अहमदाबाद स्पेशल 19 नवंबर 2026, गुरुवार को शाम 6 बजे मधुबनी से रवाना होगी। यह ट्रेन शुक्रवार रात 9:33 बजे सीहोर, 11:35 बजे उज्जैन तथा शनिवार को रात 12:03 बजे नागदा, 1:40 बजे रतलाम और सुबह 3:05 बजे दाहोद पहुंचेगी। इसके बाद शनिवार सुबह 7:15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

न्यायोत्सव सेवा सप्ताह के अंतर्गत न्याय की मैराथन एवं वॉकाथन का आयोजन

न्यायाधीशों और धावकों ने लिया भाग

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उज्जैन। न्यायोत्सव सेवा सप्ताह के अंतर्गत 15 नवंबर 2026 को जिला न्यायालय परिसर से मैराथन एवं वॉकाथन का आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री पी.सी. गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया।



मैराथन जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर कोठी रोड होते हुए पुनः जिला न्यायालय परिसर में समाप्त हुई। मैराथन एवं वॉकाथन में जिला न्यायालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, जिला खेल विभाग के धावक, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्तागण, पैरालीगल वालंटियर्स एवं न्यायालयीन कर्मचारियों ने सहभागिता की। मैराथन में जिला खेल विभाग के धावक श्री लक्ष्मण सिंह राजपूत ने प्रथम, श्री संदीप सूर्यवंशी ने द्वितीय तथा श्री महेंद्र सिंह राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री गुप्ता ने कहा कि न्यायोत्सव अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित जनहितैषी योजनाओं की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन द्वारा केंद्रीय जेल, बाल कल्याण संस्थान, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों सहित विभिन्न स्थानों पर विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
सनातन दमदी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com